* 19th Year
* Issue: 224
* 19.12.2025 (FRIDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक
कलिंग समाचार
The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

संसद ने विपक्ष के विरोध के बीच मनरेगा की जगह जी राम जी बिल पास किया

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): सरकार ने विकसित भारत - रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल, 2025 पेश करके भारत के ग्रामीण रोज़गार ढांचे में एक बड़ा बदलाव करने का प्रस्ताव दिया है। यह बिल लगभग दो दशक पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह एक नई कानूनी प्रणाली लाना चाहता है, जो विकसित भारत 2047 के लॉन्ग-टर्म विज़न के साथ जुड़ी होगी। यह कदम कल्याण-केंद्रित रोज़गार कार्यक्रम से हटकर एक ऐसे मॉडल की ओर इशारा करता है जो गारंटीड काम को टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर, जलवायु लचीलेपन और अनुमानित सार्वजनिक खर्च से ज़्यादा करीब से जोड़ता है। संसद ने गुरुवार को विकसित भारत गारंटी फॉर एंप्लॉयमेंट एंड लाइवलीहुड मिशन (ग्रामीण) बिल, जिसे त क्ररूत कहा जा रहा है, को मंजूरी दे दी। इस कदम से दो दशक पुरानी स्न्नहत्रक्ष्वह्न योजना की जगह ली जाएगी और सालाना 125 दिन के ग्रामीण मजदूरी रोजगार का वादा किया जाएगा। यह सब दोनों सदनों में विपक्ष के कड़े विरोध के बीच हुआ। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस बदलाव का मकसद मौजूदा योजना की संरचनात्मक कमियों को दूर करना है। लोकसभा में पास होने के घंटों बाद, आधी रात को हुई बहस के बाद राज्यसभा में इस बिल को ध्वनि मत से पास कर दिया गया। विपक्ष ने स्न्नहत्रक्ष्वह्न से महात्मा गांधी का नाम हटाने का विरोध किया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार योजना का वित्तीय बोझ राज्यों पर डाल रही है। राज्यसभा में विरोध कर रहे सदस्यों ने बिल वापस लेने की मांग की, सरकार के खिलाफ नारे लगाए और कानून की प्रतियां फाड़ दीं। बिल पास होने के दौरान कई विपक्षी सांसदों ने वॉकआउट किया, जिसके बाद चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें ट्रेजरी बेंच के पास न जाने की चेतावनी दी। बिल पास होने के बाद, विपक्षी पार्टियों ने संसद परिसर में संविधान सदन के बाहर धरना दिया, आरोप लगाया कि यह कानून ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है और देशव्यापी आंदोलन की योजना की घोषणा की। तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने संविधान सदन की सीढ़ियों पर 12 घंटे के विरोध प्रदर्शन पर बैठने का फैसला किया। विपक्ष ने यह भी मांग की कि बिल को विस्तृत जांच के लिए संसद की स्थायी समिति को भेजा जाए। राज्यसभा में पांच घंटे की बहस का जवाब देते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने बिल का बचाव किया और इसे रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास और राष्ट्रीय प्रगति के लिए जरूरी बताया। उन्होंने कांग्रेस पर महात्मा गांधी के नाम का राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल करते हुए उनके आदर्शों को बार-बार 'मारने' का आरोप लगाया। चौहान ने बिल को पास करने के लिए पेश करते हुए कहा, 'यह बिल बहुत ज़रूरी है, क्योंकि यह रोजगार के अवसर प्रदान करने, ग्रामीण भारत के विकास में मदद करने और देश को आगे ले जाने में मदद करेगा।' 'इसके अलावा, वरिष्ठ भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि क्र सरकार के कार्यकाल के दौरान, स्न्नहत्रक्ष्वह्न भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी और आवंटित धन स्वीकृत कार्यों के लिए सामग्री खरीद पर ठीक से खर्च नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, 'मैंने इन सभी घंटों तक विपक्ष को धैर्य से सुना और उम्मीद की कि वे मेरा जवाब भी सुनेंगे। आरोप लगाकर भाग जाना महात्मा गांधी के सपनों और आदर्शों की हत्या करने जैसा है,' जब विपक्षी सदस्य विरोध कर रहे थे। मंत्री ने दावा किया कि मूल ग्रामीण रोज़गार योजना 2005 में शुरू की गई थी और महात्मा गांधी का नाम 2009 में कांग्रेस ने चुनावी फ़ायदे के लिए जोड़ा था। उन्होंने कहा, 'वे राजनीति के लिए महात्मा गांधी के नाम का इस्तेमाल करते हैं। अगर किसी ने गांधी के आदर्शों की हत्या की है, तो वह कांग्रेस है,' और इसके उदाहरण के तौर पर इमरजेंसी, कथित घोटालों और संसद में हंगामे का ज़िक्र किया। इससे पहले, लोकसभा ने विपक्षी सांसदों द्वारा कागज़ फाड़ने और नारेबाज़ी के बीच बिल पास कर दिया, जिन्होंने सरकार पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने और गांधीवादी सिद्धांतों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। निचले सदन में आठ घंटे की बहस का जवाब देते हुए चौहान ने कहा कि यह कानून लंबी चर्चा के बाद लाया गया है और इसका मकसद जल संरक्षण, मुख्य ग्रामीण और आजीविका इंफ्रास्ट्रक्चर, और खराब मौसम की घटनाओं से निपटने के लिए विशेष परियोजनाओं पर 10-11 लाख करोड़ रुपये खर्च करना है। ग्रामीण मज़दूरों के लिए, ज़्यादा रोज़गार मिलने का मतलब है ज़्यादा कमाई की संभावना, तय काम का शेड्यूल और समय पर डिजिटल मज़दूरी का पेमेंट। अगर मांग के 15 दिनों के अंदर काम नहीं दिया जाता है, तो राज्यों को बेरोज़गारी भत्ता देना होगा। किसानों को बेहतर सिंचाई, पानी बचाने, स्टोरेज और कनेक्टिविटी सुविधाओं के साथ-साथ खेती के ज़रूरी मौसम में मज़दूरों की कमी से सुरक्षा का भी फायदा होने की उम्मीद है। सरकार इस बिल को ग्रामीण भारत में बड़े बदलाव के हिस्से के तौर पर पेश कर रही है, जिसमें गरीबी के स्तर में तेज़ी से गिरावट, बढ़ती इनकम और अलग-अलग तरह की आजीविका का ज़िक्र किया गया है। रोज़गार गारंटी को लंबे समय तक संपत्ति बनाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता से जोड़कर, नया फ्रेमवर्क ग्रामीण रोज़गार को सिर्फ़ एक सुरक्षा कवच के बजाय विकास के एक साधन के रूप में फिर से स्थापित करने का लक्ष्य रखता है।

भाजपा का मिशन बंगाल, 29 और 30 दिसंबर को राज्य का दौरा करेंगे अमित शाह

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता):केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 और 30 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के दौरे पर रहेंगे। कोलकाता में अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान, वे राज्य भाजपा के कोर ग्रुप के नेताओं से मुलाकात करेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, इन बैठकों में आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीति की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। गृह मंत्री महत्वपूर्ण चुनावों से पहले पार्टी की संगठनात्मक क्षमता, बूथ स्तर की योजना और पार्टी नेताओं के बीच समन्वय का आकलन करेंगे। पश्चिम बंगाल पर भाजपा के नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा राज्य में पार्टी की चुनावी रणनीति को मजबूत करने के प्रयासों को तेज करने के मद्देनजर यह दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। अपने दौरे के दौरान, पीएम मोदी नादिया जिले के ताहेरपुर में एक रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस द्वारा राज्य में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के विरोध के बीच हो रहा है। इससे पहले मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा फर्जी, मृत या अवैध मतदाताओं पर निर्भर हुए बिना चुनाव लड़ती है। राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर चल रही बहस के बीच उन्होंने यह बात कही। मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पर बोलते हुए अधिकारी ने कहा कि भाजपा पारदर्शी चुनावी प्रक्रियाओं में विश्वास करती है और परोक्ष मतदान का सहारा नहीं लेती है। उन्होंने कहा, 'हम ईमानदार लोग हैं। भाजपा मृत मतदाताओं, फर्जी मतदाताओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर निर्भर होकर चुनाव नहीं लड़ती है। भाजपा परोक्ष मतदान में शामिल नहीं होती है। बंगाल में मतदाता सूची में जो कुछ भी है, वह सब उजागर हो चुका है।'

कोहरे के कारण 27 उड़ानें रद्द, कई अन्य के परिचालन में देरी

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): घने कोहरे और उसकी वजह से दृश्यता कम होने के कारण बृहस्पतिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर विभिन्न एयरलाइन की 27 उड़ानें रद्द कर दी गई और कई अन्य के परिचालन में देरी हुई। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, ''घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर 16 प्रस्थान और 11 आगमन से जुड़ी अब तक 27 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं।'' बृहस्पतिवार सुबह यात्रियों के लिए जारी एक परामर्श में डायल ने कहा कि घने कोहरे के कारण, ''उड़ान संचालन वर्तमान में कैट (श्रेणी)-तीन की स्थितियों के अंतर्गत आता है। इस तरह की परिस्थितियों में परिचालन में देरी या व्यवधान हो सकता है। इस प्रकार के संचालन के लिए न केवल पायलटों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए बल्कि विमान भी मानकों के अनुरूप होने चाहिए। सीएटी-तीन एक प्रकार के इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) दृष्टिकोण को दर्शाता है जो विमान को बहुत कम दृश्यता जैसे कि कोहरे, बारिश या बर्फबारी की स्थिति में 50 से 200 मीटर की रनवे दृश्य सीमा (आरवीआर) के साथ उतरने की अनुमति देता है।

भारत ने ओमान के साथ व्यापार समझौते में डेयरी, सोना-चांदी, फुटवियर को संवेदनशील सूची में रखा

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): भारत ने ओमान के साथ बृहस्पतिवार को संपन्न व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत घरेलू किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए कई संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए इन संवेदनशील उत्पादों को 'छूट से बाहर की श्रेणी' में रखा गया है। मंत्रालय के मुताबिक, शुल्क छूट से बाहर रखे गए उत्पादों में डेयरी एवं कृषि उत्पाद, चाय, कॉफी, रबर, तंबाकू उत्पाद, सोना-चांदी का बुलियन एवं आभूषण और जूते-चप्पल, खेल सामान और कई मूल धातुओं के स्क्रैप शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा, 'संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए इन उत्पादों पर किसी भी तरह की शुल्क रियायत नहीं दी गई है ताकि घरेलू उत्पादकों और एमएसएमई पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।' मंत्रालय के मुताबिक, जिन उत्पादों में ओमान की निर्यात रुचि है और जो भारत के लिए संवेदनशील हैं, वहां अधिकांश मामलों में शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण की पेशकश की गई है।

टीआरक्यू व्यवस्था के तहत एक तय मात्रा (कोटा) तक आयात पर कम या शून्य शुल्क लागू होता है, जबकि उस सीमा से अधिक आयात होने पर सामान्य शुल्क देना होता है। इस श्रेणी में खजूर, संगमरमर एवं पेट्रोकेमिकल उत्पाद शामिल किए गए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि ओमान ने भारतीय कंपनियों को संगमरमर के ब्लॉक आयात करने की अनुमति दी है, जबकि यह खाड़ी देश में आमतौर पर प्रतिबंधित निर्यात वस्तु मानी जाती है। इस व्यापार समझौते के तहत खजूर के लिए सालाना 2,000 टन का शुल्क-मुक्त कोटा तय किया गया है।

मंशा गलत नहीं थी, इसे धार्मिक नजरिए से नहीं देखना चाहिए..., नीतीश कुमार के बचाव में उतरे जीतन राम मांझी

पटना १८/१२ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें वे एक महिला का हिजाब हटाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा गलत नहीं थी और इस मामले को धार्मिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। एएनआई से बात करते हुए मांझी ने कहा कि उनकी मंशा गलत नहीं थी। हमें इसे धार्मिक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी पटना में एक सरकारी कार्यक्रम के एक वीडियो के बाद आई है, जो व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। इस वीडियो में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक महिला को प्रमाण पत्र देते समय उसका हिजाब खींचते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। वीडियो में घटना मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित एक समारोह के दौरान घटी, जहां नव नियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे। महिला के कुछ कहने से पहले ही कुमार ने हाथ बढ़ाकर उसका हिजाब नीचे कर दिया, जिससे महिला का मुंह और ठोड़ी दिख गई। इस बीच, जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को वायरल वीडियो को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री को धर्मनिरपेक्ष नेता माना जाता था, लेकिन अब उनका असली चेहरा सामने आ रहा है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया और कहा कि इस तरह की हरकतें अस्वीकार्य हैं। उन्होंने जम्मू और कश्मीर में पहले हुए चुनावों के दौरान हुई इसी तरह की एक घटना का ज़िक्र किया। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, 'यहां भी, चुनावों के दौरान, महबूबा मुफ़्ती ने मतदान केंद्र पर एक महिला मतदाता का बुर्का हटवा दिया था।

महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति हुई तेज, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मुकाबले ममता बनर्जी ने पेश किया संवैधानिक राष्ट्रवाद!

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बड़ा राजनीतिक और वैचारिक बयान देते हुए राज्य सरकार की रोजगार योजना 'कर्मश्री' का नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर 'शर्म' महसूस होती है कि राष्ट्रीय स्तर पर महात्मा गांधी के नाम को कल्याणकारी योजनाओं से हटाया जा रहा है। ममता बनर्जी का इशारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (स्न्नहत्रक्ष्वह्न) के नाम में किए गए कथित बदलावों की ओर था, जिसे लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है।

उन्होंने केंद्र सरकार पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि अगर केंद्र महात्मा गांधी को सम्मान नहीं देगा तो बंगाल देगा। ममता ने कहा, 'अगर आप महात्मा गांधी का सम्मान नहीं करेंगे, तो हम करेंगे।' अपने भाषण में ममता बनर्जी ने महात्मा गांधी के साथ-साथ नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर, डॉ. भीमराव आंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सरदार पटेल और लाल-बाल-पाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने बंगाल की 'समावेशी संस्कृति' की बात करते हुए कहा कि राज्य हर समुदाय और हर विचारधारा का सम्मान करता है। देखा जाये तो यह बयान ऐसे समय आया है जब स्न्नहत्रक्ष्वह्न के नाम और पहचान को लेकर देशभर में राजनीतिक बहस चल रही है और तृणमूल कांग्रेस इसे केंद्र सरकार की 'इतिहास और प्रतीकों को बदलने की राजनीति' बता रही है।

इसके अलावा, ममता बनर्जी का यह फैसला सिर्फ एक योजना का नाम बदलने का एलान नहीं है, बल्कि यह आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की राजनीतिक पटकथा का पहला स्पष्ट अध्याय भी है। ममता बनर्जी जानती हैं कि बंगाल की राजनीति केवल विकास के आंकड़ों से नहीं, बल्कि भावनात्मक और वैचारिक मुद्दों से संचालित होती है। और गांधी से बड़ा प्रतीक भारतीय राजनीति में शायद ही कोई हो।

कर्मश्री योजना को महात्मा गांधी के नाम से जोड़कर ममता बनर्जी ने एक साथ कई निशाने साधे हैं। पहला, उन्होंने खुद को गांधीवादी मूल्यों की रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया है। दूसरा, केंद्र सरकार पर यह आरोप मजबूती से चस्पा किया है कि वह राष्ट्रपिता की विरासत को हाशिए पर डाल रही है। और तीसरा, ग्रामीण, गरीब और श्रमिक वर्ग के साथ एक भावनात्मक रिश्ता फिर से गढ़ने की कोशिश की है। यह वही वर्ग है जो कभी वाम मोर्चे की ताकत हुआ करता था और आज तृणमूल की राजनीति की रीढ़ है।

विविध समाचार

विपक्ष ने 'जी राम जी विधेयक' को ग्रामीण रोजगार खत्म करने वाला कदम बताया, भाजपा ने इसकी सराहना की

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा में 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक' पारित होने के बाद इसे ग्रामीण रोजगार खत्म करने वाला विधेयक करार दिया और सरकार पर महात्मा गांधी से 'नफरत करने' का आरोप लगाया। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधेयक की सराहना करते हुए कहा कि इससे जनकल्याण होगा तथा ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को विपक्ष के विरोध के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''इस विधेयक से मनरेगा खत्म होने जा रहा है। हम इस विधेयक का पूरी तरह से विरोध करेंगे। इस पर सभी विपक्षी

पार्टियां सहमत हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 100 दिन से 125 दिन की मजदूरी वाली बात सिर्फ एक 'चालाकी' है, ज़्योंकि विधेयक पढ़ने पर किसी को भी यह समझ आ जाएगा कि मनरेगा को खत्म किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा, ''जैसे ही बजट का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, वैसे ही धीरे-धीरे मनरेगा बंद हो जाएगा ज़्योंकि राज्यों के पास पैसे नहीं हैं।''उनका कहना था कि मनरेगा योजना देश के गरीब से गरीब लोगों के लिए रोजगार का सहारा थी, जो कोरोना महामारी जैसे मुश्किल हालात में भी उनके साथ थी। उन्होंने कहा, ''विधेयक गरीबों, मजदूरों के खिलाफ है, हम इसका सज़्त विरोध करेंगे।''

समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, ''विधेयक को बिना सहमति के पारित कराया गया। जिस तरह से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया, उससे साफ है कि भाजपा के लोग और यह सरकार बापू से नफरत करती है।'' उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक से अगले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना बेकार हो जाएगी।

द्रमुक सांसद कनिमोझि करुणानिधि ने कहा कि यह विधेयक पूरी तरह से ग्रामीण भारत के खिलाफ है और अब केंद्र सरकार यह निर्णय लेगी कि किन लोगों और किन क्षेत्रों के लोगों को रोजगार देना है। उन्होंने कहा कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना शर्मनाक है।

वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा, ''करीब 10 घंटे तक (लोकसभा में) चर्चा हुई और विपक्ष को बोलने का मौका दिया गया। लेकिन जब (ग्रामीण विकास मंत्री) शिवराज सिंह चौहान जवाब देने के लिए खड़े हुए तो कांग्रेस पार्टी ने कागज फाड़ना और हंगामा करना शुरू कर दिया। वे सुनने को तैयार नहीं थे।'' उन्होंने कहा, ''ज़्या कांग्रेस पार्टी अब अराजक हो गई है? यही राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का भविष्य है। भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा, ''आज का दिन ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया गया है। यह विधेयक गरीबों के कल्याण के लिए काम करेगा। हम सभी ने सदन की कार्यवाही देखी। इस विधेयक के तहत 1.51 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होंगे, गरीबों को 100 के बजाय 125 दिन काम की गारंटी दी जाएगी और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जिस तरह से कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ सांसदों ने सदन में व्यवहार किया, उसे भारत के संसदीय इतिहास में एक 'काले अध्याय' के रूप में याद किया जाएगा।

रेखा गुप्ता ने 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी, प्रदूषण को लेकर कर दिया बड़ा दावा

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): दिल्ली की मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के आईएसबीटी (अंतरराज्यीय बस टर्मिनल) से नई इलेक्ट्रिक बसों और एक अंतरराज्यीय बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिल्ली-धारूहेरा नामक इस नई अंतरराज्यीय बस सेवा का उद्देश्य दोनों शहरों के बीच संपर्क को मजबूत करना है। इस अवसर पर दिल्ली की मुज़्यमंत्री ने इस सेवा को अंतरराज्यीय संपर्क के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण उन्मूलन का सबसे कारगर तरीका इलेक्ट्रिक बसें हैं।

मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हम दिल्ली-धारूहेरा मार्ग पर दिल्ली अंतरराज्यीय बस सेवा शुरू कर रहे हैं... यह अपने आप में अंतरराज्यीय संपर्क के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है... और इसके साथ ही आज से सड़कों पर 100 नई इलेक्ट्रिक बसें जुड़ जाएंगी... प्रदूषण उन्मूलन का सबसे कारगर उपाय सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार करना है, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने निजी वाहनों को छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।

इसके अलावा, दिल्ली की मुज़्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार शहर में इलेक्ट्रिक बसों की संज़्या बढ़ाने के लिए काम कर रही है और वर्तमान में 3400 इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े में अगले साल तक और वृद्धि होने की उज़्मीद है। गुप्ता ने घोषणा की कि सरकार की योजना पूरे बस बेड़े को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसों से लैस करने की है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली सरकार के दौरान बंद की गई विश्वविद्यालय बस सेवा को फिर से शुरू कर दिया गया है। मुज़्यमंत्री गुप्ता ने कहा, 'दिल्ली की परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों को देखते हुए, मैं कुछ बिंदुओं पर प्रकाश डालना चाहूंगी। सबसे पहले, वर्तमान में इलेक्ट्रिक बसों की संज़्या 3400 है, जो अगले साल तक बढ़ जाएगी, और यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि हमारा पूरा बस बेड़ा पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसों से लैस हो जाए... इसके अलावा, पिछली सरकार के शासनकाल में कई वर्षों तक बंद रही विश्वविद्यालय बसों को फिर से शुरू कर दिया गया है। हमारी इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन लगाए जा रहे हैं। वर्तमान में हम जिस इलेक्ट्रिक बेड़े का उपयोग कर रहे हैं, उसके लिए चार्जिंग सुविधाओं से लैस बस डिपो की आवश्यकता है। इसलिए, हम सभी बस डिपो का नवीनीकरण कर रहे हैं और वहां चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर रहे हैं।'

मुज़्यमंत्री ने अन्य पहलों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें नए स्वचालित परीक्षण केंद्रों का निर्माण और महिलाओं के लिए एक नई पिंक कार्ड प्रणाली शामिल है, जो उन्हें मुज़्त यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगी। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में गाड़ियां 'प्रदूषण प्रमाण पत्र के बिना' घूम रही हैं। मुज़्यमंत्री रेखा ने बताया कि नंद नगरी, तेहखंड और बुराड़ी में आधुनिक स्वचालित परीक्षण केंद्र बनाए जा रहे हैं।

रेलवे का बड़ा फैसला-तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी का इस्तेमाल, ऐसे मिलेगा कन्फर्म टिकट

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): आम उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे द्वारा एक ओटीपी-आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली का प्रस्ताव रखा गया था। सबसे पहले, रेलवे ने जुलाई 2025 में ऑनलाइन तत्काल टिकटिंग के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण शुरू किया। दूसरा, बुकिंग के पहले दिन सभी सामान्य आरक्षणों के लिए एक ओटीपी-आधारित ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली अज़्टूबर 2025 में लागू की गई थी। दोनों पहलों को आम उपयोगकर्ताओं द्वारा सफलतापूर्वक अपनाया गया है, जिससे आरक्षण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और सुविधा

सुनिश्चित हुई है।रेलवे ने 17 नवंबर 2025 को आरक्षण काउंटरों पर बुक किए गए टिकटों के लिए ओटीपी-आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की। अब तक, इस प्रणाली को कुल 52 ट्रेनों तक बढ़ा दिया गया है। इस प्रणाली के तहत, आरक्षण काउंटर पर तत्काल टिकट बुक करते समय, यात्री को आरक्षण फॉर्म में दिए गए मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी प्राप्त होता है। अगले कुछ दिनों में, काउंटरों पर ओटीपी आधारित तत्काल आरक्षण प्रणाली शेष सभी ट्रेनों के लिए लागू कर दी जाएगी। इस पहल का उद्देश्य तत्काल सुविधा के दुरुपयोग को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि वास्तविक यात्रियों को उच्च मांग वाले टिकटों तक बेहतर पहुँच प्राप्त हो। यह रेलवे टिकटिंग में पारदर्शिता, यात्री सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों के समानांतर, भारतीय रेलवे ट्रेन के प्रस्थान से आठ घंटे पहले चार्ट तैयार करने के लिए अपने आरक्षण कार्यप्रवाह में एक महत्वपूर्ण बदलाव की तैयारी कर रहा है। वर्तमान चार घंटे की खिड़की अज़्सर यात्रियों को अनिश्चित बनाती है, खासकर दूरदराज या उपनगरीय स्थानों से यात्रा करने वालों को।

नेहरू की विरासत को नष्ट करने की साजिश-सोनिया गांधी

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की विरासत को विकृत और अपमानित करने के प्रयासों की कड़ी आलोचना की और इसे इतिहास को फिर से लिखने और राष्ट्र की नींव को नष्ट करने का एक सुनियोजित प्रयास बताया। सज़ारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जवाहरलाल नेहरू की विरासत को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए, सोनिया गांधी ने दावा किया कि उनका लक्ष्य देश की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक नींव को नष्ट करना है।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के शुभारंभ के अवसर पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने की परियोजना आज सज़ाधारी प्रतिष्ठान का मुज़्य उद्देश्य है। उनका लक्ष्य केवल उन्हें मिटाना नहीं है, बल्कि वास्तव में उन सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक नींव को नष्ट करना है जिन पर हमारे राष्ट्र की स्थापना और निर्माण हुआ है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने कहा कि हम उनके (पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू) योगदानों के निरंतर विश्लेषण का स्वागत करते हैं,

योगीराज में घुसपैठियों की उल्टी गिनती शुरू, उज़र प्रदेश में रोहिंग्या, बांग्लादेशी खोजे जाएंगे, होगी कार्रवाई

लखनऊ १८/१२ (संवाददाता): उज़र प्रदेश सरकार ने राज्य भर में कथित रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है और राज्य के हर संभाग में हिरासत केंद्र स्थापित करने के आदेश जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 शहरी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ये सूचियाँ आगे की जाँच के लिए संबंधित आयुक्तों और महानिरीक्षकों को सौंपी जाएँगी।

मुज़्यमंत्री ने सभी 18 संभागों के संभागीय आयुक्तों और 18 रेंजों के पुलिस महानिरीक्षकों को प्रत्येक संभाग में एक निरोध केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है ताकि अवैध प्रवासियों को उनके निर्वासन तक रखा जा सके। यह निर्देश कुछ दिनों पहले ही उन्होंने सभी

जिलाधिकारियों (डीएम) को घुसपैठियों और अवैध प्रवासियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए थे। इससे पहले, जिलाधिकारियों को जिलों में अस्थायी निरोध केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए थे। आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान जारी रखने का निर्देश दिया गया है। मुज़्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संबंधित नगर निगमों से सूचियाँ प्राप्त होते ही, आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उनके संभाग या क्षेत्र में सभी अवैध प्रवासियों का पता लगाया जाए, उनका सत्यापन किया जाए और उचित औपचारिकताओं के अनुसार उन्हें निर्वासित करने से पहले हिरासत केंद्रों में रखा जाए।एक सरकारी प्रवक्ता ने पुष्टि की कि 22 नवंबर को मुज़्यमंत्री के निर्देश के बाद से ही ज़िलों में रह रहे/रोज़गार कर रहे अवैध प्रवासियों की पहचान और पता लगाने के लिए ज़िले के डीएम और एसपी अभियान चला रहे हैं। 23 नवंबर को जारी एक बयान में, सरकार ने कहा था कि नेपाल सीमा और प्रमुख शहरी केंद्रों पर कार्रवाई में तेज़ी आई है।

गरीब कल्याण भाजपा का संकल्प, विपक्ष पर भड़के शिवराज, कहा-लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदलना ठीक नहीं

नयी दिल्ली १८/१२ (संवाददाता): केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को संसद में हंगामे और विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 की प्रति फाड़ने को लेकर कांग्रेस की कड़ी आलोचना की और कहा कि इंडिया ज़्लॉक के सांसदों ने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच वीबी-जी राम-जी विधेयक पारित होने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शिवराज चौहान ने सदन में अपने संबोधन के दौरान इंडिया ज़्लॉक के सांसदों के व्यवहार की आलोचना की, जबकि उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का स्थान लेने वाले इस विधेयक का समर्थन किया।

केंद्रीय मंत्री ने विधेयक को कथित तौर पर फाड़ने और सांसदों के मेज पर चढ़ने को बापू के आदर्शों की हत्या करार

दिया। उन्होंने कहा कि आज लोकसभा में विपक्ष का व्यवहार, जिसमें कांग्रेस और इंडिया अलायंस के सदस्य भी शामिल हैं, ने हमारे लोकतंत्र की गरिमा को धूमिल कर दिया है। संसदीय मर्यादा का घोर उल्लंघन हुआ है। लोकतंत्र भीड़तंत्र में तज़्दील हो गया है। कल वीबी-जी राम-जी विधेयक पर चर्चा हुई, जो रात 1:30 बजे तक चली। हमने विपक्ष की बात ध्यान से सुनी। मैंने कहा था कि मैं हर सवाल का जवाब दूंगा, लेकिन मुझे भी सुना जाना चाहिए। लेकिन पन्ने फाड़ दिए गए और मेजों पर फेंक दिए गए। ज़्या यह बापू (महात्मा गांधी) के आदर्शों की हत्या नहीं है?

विधेयक का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं में समय के साथ बदलाव आए हैं और वीबी-जी, रैम-जी योजना के तहत 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी जाएगी, जबकि एमजीएनआरईजीए के तहत यह गारंटी 100 दिनों की है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच निधि के 60:40 के बंटवारे के मुद्दे पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुल प्रस्तावित 1,51,282 करोड़ रुपये में से केंद्र का हिस्सा 95,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

उन्होंने कहा कि आप अपनी राय तो रखें, लेकिन दूसरों को बोलने न दें। ज़्या यह अनैतिक नहीं है? मैं उनके कार्यों की निंदा करता हूं। ग्रामीण विकास के लिए कई योजनाएं आई हैं। एक योजना कुछ दिनों तक चलती है और फिर बदल जाती है, जैसे संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना, जवाहर रोजगार योजना, और फिर एमएनआरईजीए आई। इसका नाम पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नहीं रखा गया था, तो ज़्या यह उनका अपमान था? गरीबों का कल्याण भाजपा का संकल्प है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई योजनाएं लाई गईं, यही कारण है कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं।

शिवराज ने साफ तौर पर कहा कि गरीब कल्याण... ये भाजपा का संकल्प है। पीएम नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एक नहीं, बल्कि अनेकों योजनाएं लगातार गरीबों के जीवन को बेहतर बनाने का काम कर रही हैं। यही कारण है कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। विकसित भारत के लिए, रोजगार और विकसित गांव... ये मोदी जी का संकल्प है। इसलिए इस योजना में रोजगार के लिए जहां 100 दिन की गारंटी थी, अब वो बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।

पूरी सर्दी खा लें हरी प्याज, कैंसर से लेकर हार्ट डिजीज तक हर बीमारी होगी दूर

हरी प्याज, जिसे स्प्रिंग अनियन भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने, कैंसर का जोखिम कम करने, पाचन में सुधार, दिल की सेहत बेहतर बनाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन ए, सी, सल्फर, फाइबर और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

प्याज की अलग अलग वैरायटी होती है और उनमें से एक है हरी प्याज यानि स्प्रिंग अनियन। इसका सेवन करने से आपके शरीर को काफी सारे लाभ मिल सकते हैं। यह खाने में भी स्वादिष्ट होता है। इस का प्रयोग करके आप किसी भी बोरिंग डिश को एक स्वादिष्ट व्यंजन बना सकते हैं जो स्वास्थ्य लाभों से भी भरपूर होगी। इसको तड़के में प्रयोग कर सकते हैं या बाद में सब्जी में भी डाला जा सकता है। हरी प्याज का सेवन करने से आपकी आंखों को भी लाभ मिलते हैं।अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिसे सब्जियां खानी इतनी पसंद नहीं है, तो आप को एक बार हरी प्याज वाली किसी डिश का सेवन करना चाहिए और आप अपना मन चुटकियों में बदल लेंगे। आइए जान लेते हैं हरी प्याज खाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में। कैंसर और हार्ट डिजीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

आंखों के लिए लाभदायक

हरे प्याज में विटामिन ए होता है और यह आपकी आंखों के लिए काफी जरूरी होता है। इसका सेवन करने से आंखों की इन्फलेमेशन और मैक्यूलर डिजेनरेशन नाम जैसी स्थितियों से राहत मिलती है जो ऐसे डिसऑर्डर होते हैं जिनसे आप की आंखों की रोशनी भविष्य में जा भी सकती है। इसमें लूटेन जैसे कार्टनॉइड होते हैं जो आपकी आंखों को मजबूत बनाने में काफी सहायक माने जाते है।

पाचन में मदद करता है

हरे प्याज का सेवन करने से आपको पाचन में भी लाभ मिलता है। आप हरे प्याज का सेवन स्नैक के रूप में भी कर सकते हैं। इनमें फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है और पाचन को सुधारने में भी मदद करते है। अगर आप को गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्या है तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। हरे प्याज का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र काफी एक्टिव हो जाता है और ब्लॉटेड इंटेस्टाइन में मदद करता है। आपको अगर पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो दिन में 20 से 30 ग्राम स्प्रिंग अनियन का सेवन जरूर करें।

कैंसर के रिस्क को करते हैं कम

एन सी बी आई के मुताबिक हरे प्याज में सल्फर पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए लाभदायक तत्व होता है। इसका सेवन करने से कैंसर होने का रिस्क कम हो सकता है। इसमें फ्लेवोनॉयड और अली सल्फाइड जैसे तत्व होते हैं जो ऐसे एंजाइम को बढ़ने से रोकते हैं जो कैंसर सेल्स बना सकते हैं। इसलिए अगर अपना कैंसर होने का रिस्क कम करना चाहते हैं तो आप को अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को शामिल करना शुरू कर देना चाहिए।

स्किन के लिए लाभदायक

स्प्रिंग अनियन का सेवन करना आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसका सेवन करने से स्किन रेडिएंट रहती है। इसमें विटामिन सी होता है और यह शरीर में कॉलेजन की मात्रा को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप एजिंग के लक्षण देर से आएं, यह चाहती है तो अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को जरूर शामिल करें। इसका सेवन करने से स्किन स्मूद होती है और झुर्रियां कम होती हैं। साथ ही कॉलेजन के उत्पादन से आप को जल्दी एजिंग लक्षण नहीं देखने को मिलते हैं और स्किन काफी जवान और स्मूद लगती है।

दिल के लिए लाभदायक

हरे प्याज का सेवन करना दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभदाई हो सकता है। इसमें प्राकृतिक रूप से पोटेशियम पाया जाता है और यह ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने में भी मदद करता है। यह आपके शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। LDL कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में सहायक होते हैं। इसका सेवन करने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है।

आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नवलीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

हाई ब्लड प्रेशर – दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

शरीर में पानी भरना – नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

गैस और एसिडिटी – नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र के लिए हानिकारक – नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी – नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

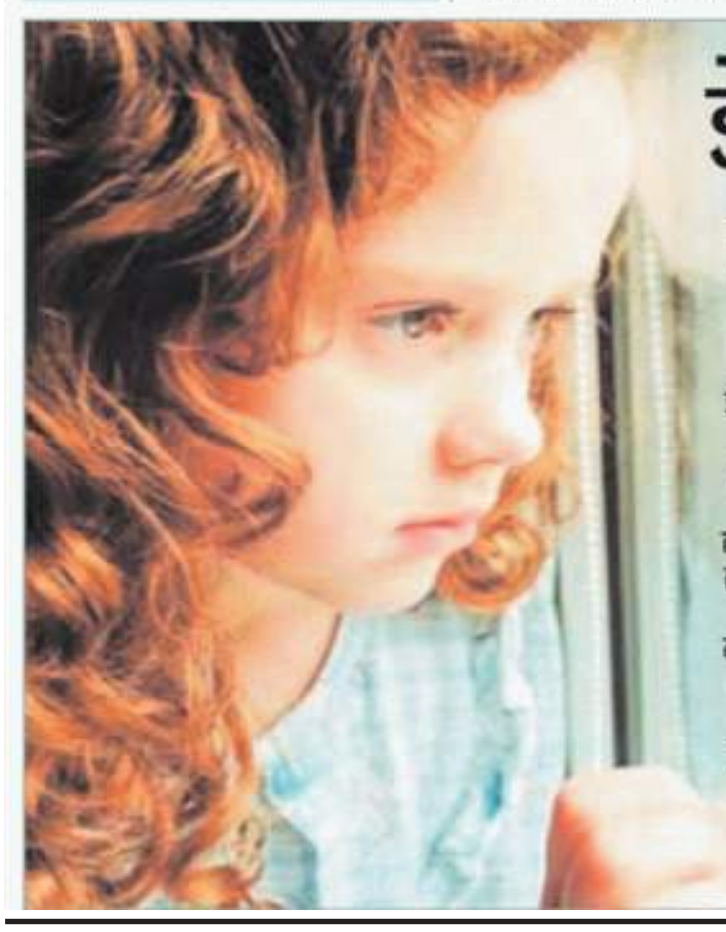

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है?

जानें बच्चों में दिखाई देने वाले इसके लक्षण

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक चिंता का विषय है। ट्रॉमा स्वयं विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। कई बार बचपन में कुछ बच्चों ऐसी घटना का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उन्हें बाद तक महसूस होता है। इसका प्रभाव बच्चे के जीवन में कई तरह की नकारात्मकता को ला सकता है। इसकी वजह से बच्चे के मानसिक विकास प्रभावित होता है। बच्चा अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़ सकता है। इस लेख में आगे जानेगें कि डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है। इस दौरान कैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

इस स्थिति में बच्चों को घर के सदस्य या करीबी से मानसिक समस्या हो सकती है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर (डीटीडी) में बच्चे की भावनाओं पर बुरा असर पड़ता है। डीटीडी प्रतिकूल परिस्थितियों, जैसे दुर्व्यवहार, उपेक्षा, या घरेलू वातावरण में अस्थिरता के कारण हो सकता है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के कारण अलग-अलग हो सकते हैं, जो अक्सर सामाजिक-आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों से जुड़े होते हैं। बच्चे अक्सर शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण के साथ-साथ अपने करीबी के द्वारा उपेक्षा या छोड़ने के चलते डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर महसूस कर सकते हैं।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के लक्षण

लोगों के साथ जुड़ने में मुश्किल होना

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर का एक प्रमुख लक्षण है कि बच्चे देखभाल करने वालों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। बच्चे किसी पर ट्रस्ट नहीं कर पाते हैं। इसका असर बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक डेवलपमेंट में भी पड़ सकता है।

भावनात्मक विकृति

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं, तेजी से मूड स्विंग्स, क्रोध या आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह बच्चे के ट्रॉमा की वजह से उत्पन्न होता है। बच्चे किसी से बात नहीं कर पाते हैं।

हमेशा डर में रहना

ट्रॉमा के अपने पिछले अनुभवों के कारण, बच्चे अक्सर अपने वातावरण में संभावित खतरों के प्रति अतिसतर्कता और बढ़ी हुई संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। वे अपरिचित स्थितियों या व्यक्तियों से अत्यधिक सावधान हो सकते हैं। किसी कार्य को वह बार-बार टालने लगते है।

कॉग्नेटिव माइंड पर असर

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर में बच्चे के संज्ञानात्मक कामकाज (कॉग्नेटिव माइंड) प्रभावित हो सकता है, जिससे बच्चा केंद्रित करने, सीखने और जानकारी को याद नहीं रख पाता है। बच्चे की पढ़ाई में भी इसका असर पड़ता है।

व्यवहार में बदलाव

कुछ मामलों में, डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अपने भावनात्मक दर्द से बचने के लिए आक्रमक हो जाते हैं। उनके व्यवहार गुस्से में बदलने लगता है। इसकी वजह से उनको घर के अन्य लोगों से डांट खाने को मिल सकती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो प्रभावित बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि, बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

कलिंग समाचार

संपादकीय

शुक्रवार 19 दिसंबर 2025

कांग्रेस- देर आयद दुरुस्त आयद

अपने दो दिवसीय गुजरात के दौरे पर राहुल गांधी ने जो कहा वह उन्हें काफी पहले कहना चाहिये था और अब वे जो करने का कह रहे हैं उन्हें बिना विल ब किये कर देना चाहिये। लोकसभा के भीतर राहुल ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी है कि कांग्रेस गुजरात में भाजपा को सत्ता से हटायेगी। लोकसभा चुनाव के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस को वैसी सफलता नहीं मिली जो राहुल के दावे के आसपास भी कहीं हों। हालांकि राहुल ने जब भाजपा को हराने की बात कही थी तब उनका आशय विधानसभा चुनावों से था जो पहले ही हो चुके थे और अगला चुनाव होने में अभी काफी वक्त है। वह 2027 में होगा। विधानसभा 2027 और लोकसभा 2029 में। गुजरात में राहुल का दो दिन बिताना कई संकेत दे रहा है। पहला तो यह है कि अब कांग्रेस आखिरी ल हों में काम शुरू करने की बजाय काफी पहले से काम शुरू करने की आदत डाल रही है जो स भवतरू अपनी पिछली गलतियों से मिली सीख है। गुजरात में शुक्रवार को उन्होंने नेताओं और पार्टी सदस्यों से मैराथन मुलाकातें कीं। फिर दूसरे दिन ;शनिवारद्ध कार्यकर्ताओं को जो स बोधन किया‌ए वह बेहद महत्वपूर्ण है और उसका ताल्लुक केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। राहुल ने भीतरघात करने वाले कांग्रेसियों को साफ कर दिया कि श्वे भाजपा की बी.टीम बनकर काम करने की बजाय बाहर चले जायें।श् राहुल या कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व सामान्यतरू जो नहीं कहता था या अब तक नहीं कहा था वह पहली बार उन्होंने साफसाफ कह दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी हितों के खिलाफ काम करने वाले 10.20 ही नहीं 40 लोगों को भी निकालना पड़े तो उसके लिये संगठन तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि श्कांग्रेस के कार्यकर्ता बब्बर शेर हैं पर उन्हें बांधकर रखा गया है।श् उनका इशारा उन पदाधिकारियों और नेताओं की ओर था जो या तो निष्क्रिय हैं अथवा अपनी बातों या कामों से प्रत्यक्ष.परोक्ष व सायास.अनायास भाजपा की मदद करते हैं। सच यही है कि कांग्रेस अपनी अंदरूनी बीमारी से ल बे समय से जूझ रही है जिसने उसे बाहरी आक्रमणों की बजाय कहीं अधिक नुकसान पहुंचाया है। ऐसे लोगों की ल बी फेहरिस्त है जिनके कारण पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचा है। राजीव गांधी की मृत्यु के बाद से ही कांग्रेस की यह दिक्कत शुरू हो गयी थी। ऐसे वक्त में जब पूरी पार्टी को एकजुट होकर खड़े होना थाए सोनिया गांधी के विदेशी मूल को लेकर पार्टी के तीन बड़े नेताओं. शरद पवारए पीए संगमा और तारिक अनवर ने अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बना ली जो एक व्यर्थ की कवायद साबित हुई क्योंकि बाद में डॉण् मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व की दोनों यूनाइटेड प्रोग्रेसिव एलायंस सरकारों में एनसीपी शामिल हुई और अब वह प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया में है जिसका नेतृत्व कांग्रेस करती है। तारिक पार्टी में लौट आये जो अब कटिहार के सांसद हैं। जो नुकसान होना थाए हो गया क्योंकि पार्टी टूटी थी तथा विदेशी मूल के भाजपायी विमर्श को प्रोत्साहन मिला था। कांग्रेस की पिछले तीन.साढ़े तीन दशकों की यात्रा में कई लोगों ने अपने बयानों से पार्टी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यहां उन लोगों की बात नहीं हो रही है जिन्होंने खुद या उनके पुरखों ने कांग्रेस से सब कुछ पाया. पदए रूतबाए स पन्नताए लेकिन जब मोदी.शाह की जांच एजेंसियों का डंडा चलने का खतरा नज़र आयाए उन्होंने सीधे भाजपा कार्यालय का रूख किया। इनमें असम के मु यमंत्री हेमंता बिस्वा सरमा से लेकर महाराष्ट्र के पूर्व मु यमंत्री व आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाले के आरोपी अशोक चव्हाण जैसे हैं जो ईडी की पहली घुड़की में ही पार्टी छोड़ गये। पार्टी के भीतर ही जी.23 जैसा आंतरिक गुट बनाया गया। कांग्रेस के पास जो बुद्धिजीवी हैं उनकी राजनीतिक समझ पर तरस ही खाया जा सकता है जो इस बात की तनिक भी सावधानी नहीं रखते कि उनके किस कहे.लिखे से दल को क्या नुकसान हो सकता है। जिस मणिशंकर अय्यर ने 2017 में मोदी के लिये अपमानजनक टिप्पणी कर लोकसभा ;2019द्ध में भाजपा को विक्टिम कार्ड खेलने का अवसर दिया थाए अब राजीव गांधी की शैक्षिक योग्यता पर बयान देकर उन लोगों को परेशानी में डाल रहे हैं जो मोदी की डिग्री को लेकर सवाल करते रहे हैं।

अंधविश्वासी विचारों का प्रचार करने वालों की साजिशों का पर्दाफाश होना चाहिए

डॉ. अरुण मित्रा

आस्था और विश्वास जो पहले एक व्यक्तिगत मामला हुआ करता थाए अब राज्य द्वारा कायम रखा जा रहा है। ऐसे आयोजनों का प्रबंधन आज तक धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया जाता रहा हैए जबकि राज्य केवल सहायक सेवाएं ही प्रदान करता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में राज्य न केवल इन आयोजनों को बढ़ावा देने में शामिल रहा हैए बल्कि उन्हें मजबूत करने के लिए कथा.कथन भी गढ़ रहा है।

प्रयागराज में कुंभ स्थल पर गंगा नदी के पानी में उच्च स्तर के प्रदूषण की केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के बाद अब बिहार आर्थिक सर्वेक्षण ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि बिहार में अधिकांश स्थानों पर गंगा नदी का पानी स्नान के लिए भी उपयुक्त नहीं हैए क्योंकि इसमें जीवाणुओं की मात्रा बहुत अधिक है। यह अध्ययन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया हैए जो नियमित रूप से गंगा नदी में प्रदूषण के स्तर की निगरानी करता है। प्रयागराज में बड़ी सं या में लोगों के एकत्र होने का संज्ञान लेते हुएए राष्ट्रीय हरित अधिकरण ;एनजीटीद्ध ने पहले चेतावनी दी थी कि कुंभ स्थल प्रयागराज का पानी अत्यधिक प्रदूषित है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण की मात्रा अनुमेय सीमा से कहीं अधिक है और प्रदूषकों में मल का उच्च स्तर शामिल है। 16 फरवरीए 2025 को एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ;यूपीपीसीबीद्ध को उसकी खराब कार्रवाई के लिए फटकार लगायीए जिसके कारण 50 करोड़ लोगों ने न केवल अत्यधिक प्रदूषित पानी में स्नान कियाए जो कई बीमारियों का कारण बन सकता हैए बल्कि इससे भी बदतर यह कि लोगों को वह पानी पीना भी पड़ा। एनजीटी ने यह भी आशंका जतायी कि शायद यूपीपीसीबी किसी तरह के दबाव में है। कोई अश्चर्य नहीं कि एनजीटी की टिप्पणियों के बाद उत्तर प्रदेश के मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज का पानी पीने योग्य है। यह तब है जब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ;सीपीसीबीद्ध ने पाया कि 12 जनवरी और उसके बाद 23 जनवरीए 2025 को निरीक्षण के दौरान कई निगरानी स्थलों पर पानी की गुणवत्ता घटिया पायी गयी। सीपीसीबी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कई स्थानों पर बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड ;बीओडीद्ध का स्तर सामान्य मानक तीन मिलीग्राम ;एमजीद्ध प्रति लीटर से अधिक पाया गया। उच्च बीओडी प्रदूषण के उच्च स्तर को इंगित करता हैए क्योंकि सूक्ष्मजीवों को पानी में कार्बनिक अपशिष्ट को विघटित करने के लिए अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। फेकलकोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बहुत अधिक थाए जो मु य रूप से मानव और पशु मलमूत्र से आते हैं। इन बैक्टीरिया की मौजूदगी से पता चलता है कि पानी सीवेज से दूषित हैए जिससे टाइफाइडए डायरिया और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों के फैलने की संभावना है। यह देखा गया कि कई स्थानों पर नालों से अनुपचारित अपशिष्ट जल सीधे गंगा में बह रहा था। जबकि कुछ नालों को टैप करके उपचारित किया जा रहा थाए लेकिन उपचार प्रक्रिया या तो आंशिक या अप्रभावी थी।

एनजीटी की रिपोर्ट लोगों को उस प्रदूषित पानी में डुबकी लगाने से पहले सावधानी बरतने की चेतावनी थी। यह एक विरोधाभास है कि वैज्ञानिक चेतावनी के बावजूद लोग अत्यधिक प्रदूषित पानी में नहाने और पीने के लिए उमड़ पड़े। लेकिन इस विश्वास के बिना कि कुंभ के दौरान डुबकी लगाने से उन्हें देवताओं का आशीर्वाद मिलेगाए इनमें से अधिकांश लोग ऐसे प्रदूषित जल स्रोतों के पास भी नहीं खड़े होंगे।

ऐसी आस्था और विश्वास जो पहले एक व्यक्तिगत मामला हुआ करता थाए अब राज्य द्वारा कायम रखा जा रहा है। ऐसे आयोजनों का प्रबंधन आज तक धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया जाता रहा हैए जबकि राज्य केवल सहायक सेवाएं ही प्रदान करता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में राज्य न केवल इन आयोजनों को बढ़ावा देने में शामिल रहा हैए बल्कि उन्हें मजबूत करने के लिए कथा.कथन भी गढ़ रहा है। इतना अधिक कि कई बार संवैधानिक संस्थाओं के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है।

राजस्थान उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा था कि मोरनी मोर के आंसू चाटने पर संतानों को जन्म देती है। जालंधर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉण् नागेश्वर राव ने कहा था कि.100 कौरव इसलिए पैदा हुए क्योंकि हमारे पास इतना उन्नत विज्ञान था कि हम प्राचीन भारत में प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल का इस्तेमाल करते थे।

12 अप्रैल 2017 को टाइ स ऑफइंडिया में प्रकाशित एक समाचार में चार सदस्यीय समिति ने सिफारिश की थी कि तथाकथित धर्मगुरु श्री श्री रविशंकर के आर्ट ऑफलिविंग ;एओएलद्ध फाउंडेशन को यमुना नदी तट को हुए श्वयापक और गंभीर नुकसानश् के लिए मर मत लागत के रूप में 100.120 करोड़ रुपये का भुगतान करना चाहिए। यह क्षति 2016 में दिल्ली में यमुना के तट पर एओएल द्वारा आयोजित सामूहिक उत्सव के कारण हुई थी। लेकिन एओएल ने इस आदेश का पालन नहीं कियाए क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार का संरक्षण प्राप्त था।

सत्ता में बैठी सरकार द्वारा बार.बार अवैज्ञानिक कथा.कथन गढ़कर लोगों को मिथकों में उलझाए रखने का एक सूक्ष्म प्रयास किया जाता है। उदाहरण के लिएए गोमूत्र को कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज के रूप में प्रचारित किया जाता है। भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने कहा था कि गाय के मूत्र से उनका स्तन कैंसर ठीक हो गया। गाय के गोबर और पंचगव्य को कई बीमारियों के लिए पसंदीदा उपचार माना जाता है। साथ हीए गाय के गोबर में परमाणु विकिरणों से बचाने की शक्ति भी होती हैए उन्होंने कहा था।

उत्तराखंड के सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जुलाई 2019 में कहा था कि गाय एकमात्र ऐसा जानवर है जो ऑक्सीजन सांस लेता और छोड़ता है और इस हवा को सांस के साथ लेने से लोगों की सांस की समस्या ठीक हो सकती है क्योंकि गाय श्प्राण वायुश् देती है।

राजस्थान उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा था कि मोरनी मोर के आंसू चाटने पर संतानों को जन्म देती है। जालंधर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉण् नागेश्वर राव ने कहा था कि.100 कौरव इसलिए पैदा हुए क्योंकि हमारे पास इतना उन्नत विज्ञान था कि हम प्राचीन भारत में प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल का इस्तेमाल करते थे। आरोग्य भारती रति क्रीड़ा के दौरान विशिष्ट श्लोकों का जाप करके अनुकूलित शिशुओं के जन्म को बढ़ावा दे रही है। वास्तव में इस तरह की अवैज्ञानिक कथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के तुरंत बाद गढ़ी गयी थी। अक्टूबर 2014 में मुंबई के एक अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने दावा किया था कि हाथी के सिर वाले हिंदू देवता गणेश प्राचीन भारत के प्लास्टिक सर्जरी के ज्ञान का प्रमाण थे। यह उनके बैंड वैगन को झूठी कहानियों का महिमामंडन करने का संकेत था। यह सब लगातार प्रयास लोगों को तर्कसंगत सोच से दूर रखने के लिए है।

लेकिन इस तरह के मिथकों और झूठ को हमेशा समय.समय पर चुनौती दी जाती रही है। प्राचीन भारत में एक ऋषि चार्वाक ने ब्रह्मांड और सामाजिक संबंधों के निर्माण की प्रचलित अवधारणा को चुनौती दी थी। उन्हें उनके विचारों के लिए जलाकर मार दिया गया था।

गैलीलियो ने पृथ्वी के चारों ओर सूर्य के घूमने के मिथक को चुनौती दीए भले ही उन्हें इसके लिए सताया गया था। सूफी संतों ने भी मिथकों के खिलाफ बात की। गुरु नानक देव ने उस समय मिथकों को चुनौती दी जब ऐसा करना बहुत मुश्किल था। अब जब हमारे पास आसपास हो रही घटनाओं के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण हैंए तो यह हमारा कर्तव्य है कि हम निडर होकर उन लोगों के नापाक इरादों को उजागर करें जो विज्ञान का पूरा लाभ तो लेना चाहते हैं.

अंबानी के जंगल में मोदी

सर्वमित्रा सुरजन

वनतारा में मोदी को गोदी मीडिया वाले पत्रकारों को खिलाने जैसा आनंद भी आया। एक वीडियो आया है जिसमें मोदी शेर और सिंह शावकों को गोद में बिठाकर पुचकार रहे हैंए बोतल से दूध पिला रहे हैं। एक नन्हा सिंह तो दहाड़ने की कोशिश करता भी दिखा। नादान है उसे नहीं मालूम कि जिसकी गोद में बैठते हैंए उसके सामने न दहाड़ते हैंए न दहाड़ने का दिखावा करते है।

नरेन्द्र मोदी ने अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दे दिया है। पिछले 11 सालों से वे सुन.सुन कर तंग आ गए थे कि मोदी साक्षात्कार से घबराते हैंए मोदी चीन को लाल आंखें नहीं दिखातेए मोदी ये नहीं करतेए मोदी वो नहीं करते। अब मोदी ने कुछ ऐसा कर दिखाया कि सबकी बोलती बंद हो गई। इस काम में उनके मित्र मुकेश अंबानी बड़े मददगार साबित हुए। हर कोई ट्रंप जैसा नहीं होताए जिनका नाम लेकर कांग्रेस ने तंज कसा था कि दुश्मन न करेए दोस्त ने वो काम किया हैण्ण। मुकेश भाई ने कैसेट पलट कर ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगेए बजा दिया। मोदी के दुश्मनों को आईना दिखाने के लिए उनसे अपने निजी जंगल वनतारा का उद्घाटन करवा दिया। वनतारा को दुनिया का सबसे बड़ा वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र बताया जा रहा है। एक निजी जमीन पर बना जंगल और उसमें रखे गए जानवरों पर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैंए लेकिन उसकी चर्चा बाद में।

पहले देख लेते हैं कि मोदीजी ने कैसे बुरी नजर वालों को अपनी टेढ़ी नजरें दिखा दीं। सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री मोदी ने जानवरों के साथ अठखेलियां करतेए लाड़ करते.दुलारतेए निहारते कई तस्वीरें और वीडियो डाले हैं। मैन वर्सेज वाइल्ड की शूटिंग हुए छह साल बीत गएए लेकिन पिक्चर अभी बाकी है। वाइल्ड लाइफ का एडवेंचर जैसे आजकल नवधनाढ्यों के सिर पर सवार रहता हैए उसकी झलक मोदी के वनतारा एडवेंचर में देखने मिली।

यहीं उन्हें अपने आलोचकों का मुंह बंद करने का भी मौका मिलाए जो उन्हें डरपोक कहते थेए तंज कसते थे कि मोदी पत्रकारों का सामना नहीं कर सकते। लेकिन आलोचकों को ये नहीं पता था कि मोदी उनका सामना कर सकते हैंए जिसे दुनिया बब्बर शेर कहती है। मोदी अब कह सकते हैं कि जाओ जाकर राहुल के बब्बर शेरों को कह दो कि मैं असली बब्बर शेरों से मिलकर आया हूं। जाओ जाकर मुझसे सवाल पूछने के उत्सुक लोगों को कह दोए मैंने शेर और चीते का साक्षात्कार किया है। अब ये अलग बात है कि मोदी जब शेरए चीतेए सिंह सब से साक्षात मिल रहे थे तो बीच में एक कांच की दीवार थी। इधर से शेर अपना हाथ मारताए उधर से मोदी अपना हाथ देतेए दे ताली।

अगर पत्रकार भी इसी तरह कांच की दीवार के आर.पार साक्षात्कार लेने की कला सीख जाएंए तो फिर मोदी एक क्या सौ सवालों पर इसी तरह दे ताली कर देंगे। हाथों की कला तो उन्हें वैसे भी खूब आती है। अमेरिका में पत्रकार ने अडानी पर सवाल पूछा था तो उस वक्त दे ताली नहीं कर पाएए मगर हाथ नचा कर अच्छे से जवाब दे ही दिया था।

वनतारा में मोदी को गोदी मीडिया वाले पत्रकारों को खिलाने जैसा आनंद भी आया। एक वीडियो आया है जिसमें मोदी शेर और सिंह शावकों को गोद में बिठाकर पुचकार रहे हैंए बोतल से दूध पिला रहे हैं।

एक नन्हा सिंह तो दहाड़ने की कोशिश करता भी दिखा। नादान है उसे नहीं मालूम कि जिसकी गोद में बैठते हैंए उसके सामने न दहाड़ते हैंए न दहाड़ने का दिखावा करते है। इस मामले में अपनी मौसी बिल्ली से सीखने की जरूरत है। मोदी ने मेडागास्कर में पाए जाने वाले दुर्लभ लेमूर को भी अपनी गोद में बिठाकर खाना खिलाया। लेमूर वानर कुल का ही प्राणी है। कुशल मदारी अच्छे से जानता है कि अपने बंदर को कैसे नचाना हैए कब उसे खिलाना हैए कब उसके जरिए खिलवाड़ करके दिखाना है। वो तो मेनका गांधी ने अगर भालुओं और बंदरों की रक्षा का स्वघोषित जि मा नहीं उठाया होता तो आज सड़कों पर कई मदारी वनतारा से बेहतर मनोरंजन लोगों का कर के दिखाते लेकिन एक को विजेता बनाने के लिए सारों को रास्ते से हटा दिया गया।

खैरए करीब साढ़े तीन हजार एकड़ में बने अंबानी के इस जंगल में मोदी ने ढेर सारे जीव जंतुओं से मुलाकात की। थलचरए जलचरए नभचर सारे प्राणी परमात्मा के साक्षात अंश से मिलकर गदगद हुए होंगेए ऐसा मान लेना चाहिए। वर्ना जानवरों तो अपने जंगलराज में ही मगन रहते हैंए उन्हें कहां मौका मिलता है कि वो लोक राज के मुखिया से भी मिलें। हो सकता है मोदीजी ने उनकी भाषा में बताया भी हो कि अब बिहार में चुनाव होने हैंए और वहां हमें बार.बार जंगलराज की बात करनी पड़ती है। इसलिए आप लोग मुझे सीधे फर्स्ट हैंड जानकारी दें कि आपके असली जंगलराज में आखिर होता क्या है।

जैसे बिल गेट्स से एआई और एलन मस्क से सीधे एक्स और टेस्ला की जानकारी मोदी ले चुके हैंए वैसे ही अबकी बार जंगलराज से सीधा साक्षात्कारए का नारा वनतारा में उन्होंने बुलंद किया होगा। यहां मोदी को अजगरए ऊदबिलावए ओरंगुटानए दरियाई घोड़ाए लेमिंगो और शायद गिद्ध या बाज से भी मिलने का मौका मिला। सुअर शायद वनतारा में नहीं हैं या होंगे भी तो उनके साथ मोदी की तस्वीर देखने नहीं मिली। वैसे भी योगीजी ने तो बताया है कि गिद्ध और सुअर महाकुंभ पर नजर रखे थे।

मोदीजी ने शीशे के पुल पर खड़े होकर नीचे पानी में घड़ियालों को भी देखा। इस मुलाकात के वीडियो को देखकर समझना कठिन था कि कौन किसको देखकर चुनौती महसूस कर रहा है। हाल.फिलहाल कोई चुनाव नहीं हैए न ये कोई विदेशी दौरा थाए जहां सबके सामने आंसू बहाने की जरूरत पड़े। अगर ऐसी नौबत आतीए तब तो घड़ियाल सोचते कि अच्छा है हम पानी में ही ठीक हैंए कम से कम यहां मुंह छिपा कर अपने आंसू भी छिपा लेंगेए बाहर रहते तो आंसू बहाने की प्रतियोगिता में हार ही जाते। मोदीजी को वनतारा के लेमिंगों के बीच जाकर अपनेपन का खासा अहसास हुआ होगा। नारंगी लेमिंगों को क्या पता कि उनका रंग देश में कितना सियासी रसूख रखता है। वैसे कानपुर के चिड़ियाघर में रखे गए सारस को बेहद अफसोस हो रहा होगा कि अंबानी की मेहरबान नज़रें उस पर क्यों नहीं पड़ीं। आरिफ ने तो उस सारस के साथ खूब दोस्ती निभाईए लेकिन यहां पशु पक्षियों के संरक्षण और बचाव के लिए बनाए गए कठिन वन्य कानून आड़े आ गए और आरिफ से उस सारस को न केवल अलग कर दिया गयाए बल्कि अब आरिफको सारस से मिलने की भी इजाज़त नहीं हैए क्योंकि पिंजरे में कैद सारस आरिफको देखकर मिलने के लिए तड़पने लगता है।

दो साल पहले उसे वन अधिकारियों ने आरिफसे अलग कर दिया थाए अब तो न जाने किस हाल में होगा। मालूम नहीं मोदीजी की वनतारा में किसी जानवर से ऐसी ही पक्की वाली निस्वार्थ दोस्ती हुई या नहींए क्योंकि अगर वहां कोई जानवर मोदी से मिलने तड़पे तो उसमें तो कोई वन्य कानून आड़े नहीं आएगा। वैसे भी जब दुनिया भर से चुन.चुन कर जानवरों को वनतारा में रखा जा सकता हैए तो क्या राष्ट्रीयए क्या अंतरराष्ट्रीय किसी कानून के बारे में पूछने का मतलब ही नहीं रह जाता। छोटेए बड़ेए शाकाहारीए मांसाहारीए लुप्तप्रायए दुर्लभ तमाम तरह के जानवर गुजरात ऐसे ही तो नहीं पहुंचे होंगेए इन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से गुजारते हुए लाया गयाए रखा गयाए पाला गया। यह सब करने के लिए किस तरह राष्ट्रीयए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकारों की स्वीकृति मिलीए यह बड़ा सवाल है।

अब मोदी वहां अपनी पूरी कैमरा टीम के साथ पहुंचेए तरह.तरह से फोटो शूट हुए। क्या हम किसी राष्ट्रीय अभयारण्य में इतनी मनमर्जी से टहल सकते हैं। वैसे जंगली जानवर इंसानों से घुलना.मिलना पसंद नहीं करतेए लेकिन यहां पालतुओं की तरह उन्हें हाथ से खिलाया.पिलाया गया और वीडियो भी बनवाए गएए क्या इसमें नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ।

बहुत से जानवरों का इलाज यहां हो रहा हैए जिनका मुआयना भी मोदी ने किया। किसी की जान बचाना सही हैए लेकिन क्या जब ये जानवर ठीक हो जाएंगे तो क्या उन्हें वापस उनके अपने घर में छोड़ा जाएगा या ये वनतारा की ही संपत्ति कहलाएंगे। इस संपत्ति का क्या कोई व्यापारिक लाभ भी आगे लिया जाएगाए क्योंकि दुनिया में जानवरों की खालए हड्डीए नाखूनए सींगए फर सबकी बड़ी मांग हैए इसलिए इनका शिकार होता है और इनकी रक्षा के लिए ही तमाम कानून बने हैं। अब उन कानूनों का क्या होगा वनतारा की निगरानी का हक क्या सरकार के वन मंत्रालय को होगा। ऐसे कई सवाल हैंए जो मोदी जी से साक्षात्कार में पूछे जा सकते हैं। पर इसके लिए शीशे की दीवार का इंतजाम करना होगाए मोदी तभी सामने आएंगे।

विविध समाचार

डीवीसी टरबाइन साइड में नहाने के दौरान कोचिंग सेंटर के संचालक की डूबने से मौत

कोडरमा १८/१२ (संवाददाता): तिलैया डैम ओपी क्षेत्र के डीवीसी टरबाइन साइड में नहाने के दौरान डूबने से रविवार को आर्यन कोचिंग सेंटर के संचालक की मौत हो गई। संचालक अपने फुफेरे भाई के साथ यहां नहाने गए थे और इसी दौरान यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान नवादा के नादरीगंज निवासी संजीव कुमार के रूप में की गई है। संजीव कुमार अपने फुफेरे भाई अंशुमन कुमार के साथ रविवार को नहाने गए थे। नहाने के दौरान संजीव कुमार गहरे पानी में डूब गए।

डूबने के बाद उनके फुफेरे भाई ने अगल.बगल के लोगों को बताया जिसके बाद संजीव का शव पानी से बाहर निकाला गया और इसकी सूचना तिलैया डैम ओपी प्रभारी विशाल पाण्डेय को दी गई। संजीव कुमार अपनी पत्नी व दो बच्चे के साथ तिलैया में रहकर कोचिंग चलाते थे।

सेना जमीन घोटाले में निलंबित आईएएस छवि रंजन समेत 10 के खिलाफ आरोप तय

रांची १८/१२ (संवाददाता): सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी तरीके से खरीद.बिक्री करने के आरोपित निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजनए अमित अग्रवाल सहित दस आरोपितों के खिलाफईडी कोर्ट ने आरोप तय कर दिया है। मामले में नौ आरोपित जेल में है और एक आरोपित जगतबंधु टी इस्टेट के निदेशक दिलीप घोष जमानत पर है। इससे पूर्व ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में सोमवार को आरोप गठन पर सुनवाई हुई।सुनवाई के दौरान छवि रंजन के वकील ने समय दिए जाने की मांग की। लेकिन अदालत ने समय देने से इनकार कर दिया। छवि रंजन के वकील दिल्ली से ही वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ कर आरोप गठन पर बहस की। उन्होंने कहा कि मेरे मुवक्किल मामले में निर्दोष हैंए जिसका विरोध ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार काका ने किया। इसके बाद अदालत ने आरोपितों पर आरोप गठित किया। मामले में ईडी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए 22 जुलाई की तिथि निर्धारित की है। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में बंद आरोपितों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के समक्ष पेश किया गया थाए जबकि दिलीप घोष व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित था। छवि रंजन चार मई 2023 से जेल में हैं। सोमवार को विशेष अदालत ने छवि रंजनए कोलकाता कारोबारी अमित अग्रवालए बड़गाई अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसादए सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागचीए जमीन दलाल रिज़्स का कर्मी अफ्सर अली उर्फ अज़्सू खानए इज़्तियाज अहमदए मोण् सद्दाम हुसैनए तलहा खानए फैयाज अहमद एवं दिलीप घोष के साथ दो कंपनी भी शामिल है।

इन पर आपसी मिलीभगत से मूल दस्तावेजों में छेड़छाड़ करए जालसाजी से रांची में जमीनों की खरीद.बिक्री के आरोपों की पुष्टि हुई है। ईडी की चार्जशीट में बताया है कि भू.राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू.माफ्याओं के पक्ष में फर्जी तरीके से इन भूखंडों का नामांतरण किया गया है।

ईडी के अनुसारए रांची के बरियातू थाने में रांची नगर निगम ने सेना के कब्जे वाली जमीन के फर्जी रैयत पर जालसाजी कर जाली दस्तावेज पर दो.दो होल्डिंग लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उसी प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने मामला दर्ज कर जांच की। अदालत की अनुमति से रजिस्ट्रार आफ एश्योरेंस कोलकाता और रांची के भू.राजस्व विभाग के मूल रिकार्ड की गुजरात के गांधी नगर स्थित फोरेंसिक साइंस निदेशालय से जांच कराई। इन दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच में फर्जीवाड़ा साबित हुआ।

सीवरेज–ड्रेनेज प्रोजेज़्ट को सीएम की मंजूरी

रांची १८/१२ (संवाददाता): राजधानी में खुले नाले और जलजमाव को दूर करने के लिए एक बार फिर सीवरेज.ड्रेनेज प्रोजेज़्ट को शुरू किया जाएगा। 13 वर्ष पहले शहर को चार जोन में बांटकर सीवरेज.ड्रेनेज प्रोजेज़्ट की डिटेल प्रोजेज़्ट रिपोर्ट ;डीपीआरद्ध तैयार की गई थी। लेकिनए सिर्फ जोन वन में ही काम शुरू हुआए बाकी तीन जोन का प्रोजेज़्ट रद्द कर दिया गया। अब राज्य सरकार ने नए सिरे से पूरे शहर में सीवरेज.ड्रेनेज प्रोजेज़्ट को शुरू करने की तैयारी की है। मुज़्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसकी स्वीकृति दे दी है। नगर विकास विभाग के निर्देश पर जुडको ने सीवरेज.ड्रेनेज प्रोजेज़्ट की डीपीआर बनाने के लिए एजेंसी की चयन प्रक्रिया शुरू की है।इसके लिए 20 अज़्टूबर को प्री बिड मीटिंग बुलाई गई है। इसमें शामिल होने वाली कंपनियों के प्रतिनिधियों से डीपीआर पर चर्चा होगी। 3 नवंबर को टेंडर खुलेगा। इसमें चुनी जाने वाली एजेंसी को छह माह के अंदर सीवरेज.ड्रेनेज प्रोजेज़्ट की डीपीआर पूरी तरह से तैयार कर लेनी होगी। सीवरेज.ड्रेनेज बनने के बाद शहर में खुली नाली और जलजमाव जैसी समस्या से मुक्ति मिलेगी। साथ ही बारिश के दिनों में होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी।

जोन वन में बन रहे सीवरेज प्रोजेज़्ट से ड्रेनेज हटा दिया गया है। जोन वन के 9 वार्डों में सिर्फ 280 किमी सीवर लाइन बिछेगी। अभी तक करीब 45 प्रतिशत पाइपलाइन का काम पूरा हुआ है। बड़गाई से आगे लेम गांव में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट ;एसटीपीद्ध बन रहा है। इस प्रोजेज़्ट को नए प्रोजेज़्ट से जोड़ा जाएगाए ताकि ड्रेनेज सिस्टम भी बन सके। चारों जोन में सीवरेज.ड्रेनेज प्रोजेज़्ट बनाने के साथ इसके लिए दो सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी बनाए जाएंगे। मैनहर्ट ने वर्ष 2008 में जो डीपीआर तैयार की थीए उसमें शहर के 55 वार्डों को शामिल किया गया था। उस समय की आबादी और क्षेत्र के हिसाब से सभी वार्डों को इसमें शामिल किया गया था। नई डीपीआर भी इसी आधार पर तैयार होगी। जो वार्ड पहले शामिल किए गए थेए उनके अलावा शहर के आसपास के विस्तारित क्षेत्रों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। भारत सरकार ने रांची नगर निगम क्षेत्र को 4 जोन में तैयार किए गए सीवरेज.ड्रेनेज की डीपीआर को 2009 में मंजूरी दी थी।

आज का राशिफल

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृज़ियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन–देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के सज़्बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप ज़्याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृज़ियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख– शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के सज़्बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के सज़्बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन–मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार–धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महज़्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद– उत्साह और तन–मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

विधानसभा में इन मुद्दों पर हुई चर्चा, नेता प्रतिपक्ष ने मांग लिया जवाब

रांची १८/१२ (संवाददाता): झारखंड विधानसभा में सोमवार को विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान एक बार फिर संताल परगना प्रमंडल में बांग्लादेशी घुसपैठ तथा इसके कारण वहां हुए डेमोग्राफी चेंज का मुद्दा उठाया। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने सरकार को घेरने का प्रयास किया।

उन्होंने इस पर सरकार से जवाब भी मांगा। कहा कि जब भाजपा डेमोग्राफी चेंज होने का मामला उठाती है तो कहा जाता था कि भाजपा इसपर राजनीति करती है। लेकिन यह हकीकत कि संथाल परगना में ऐसा हुआ है। झारखंड उच्च न्यायालय ने भी इसे माना है। बाउरी ने कहा कि उच्च न्यायालय ने डेमोग्राफी चेंज को लेकर निर्देश दिए हैं। लेकिन सरकार को समझना होगा कि ये निर्देश राज्य सरकार को न देकर उपायुक्तों को दिए गए।

कोर्ट ने अपने निर्देश में साफ कहा कि संताल परगना में डेमोग्राफी चेंज हो रही है। इसलिए वहां के सभी जिलों के उपायुक्तों को आपसी समन्वय बनाकर इसे रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने वहां की स्थिति बताते हुए कहा कि हद तो तब हो जाती है जब पाकुड़ के गोपीनाथपुर में पर्व की आड़ लेकर बंगाल से सैकड़ों की संज़्या में लोग हिंदू आबादी पर हमला कर देते हैं। उनके घरों को जला देते हैं। बमबाजी करते हैं। पाकुड़ में हुई घटना ऐसा नहीं लगा कि यह एक अंतर्राज्यीय विषय हैए बल्कि ऐसा लगा कि यह एक अंतर्देशीय विषय है।

बंगाल में जिस तरह आज लोकतंत्र खत्म हो गया है। वहां के लोग डरे हुए हैं। बाउरी ने कहा कि डेमोग्राफी चेंज को लेकर सरकार के पास ज़्या जवाब हैए उसे यह देना चाहिए। बताते चलें कि इससे पहले भी भाजपा साहिबगंज सहित संथाल परगना के अन्य जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठ का मामला उठाती रही है।

कोख में बच्ची को मारने के लिए कराया गर्भपात, ऑपरेशन के बाद मौत

जयनगर १८/१२ (संवाददाता): कोडरमा में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना घटी है। मामला जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन रोड परसाबाद में संचालित नेहा ज़्लीनिक का है। ज़्लीनिक में एक महिला ने कोख में पल रही अपनी बच्ची की हत्या के लिए गर्भपात कराया। ऑपरेशन के बाद महिला का रक्तस्राव नहीं रूका। शुक्रवार को महिला की मौत हो गई। घटना के बाद सर्जरी करने वाला चिकित्सक ज़्लीनिक छोड़कर फरार हो गया है। घटना की सूचना मिलते के बाद कोडरमा पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। महिला की पहचान बरही थाना क्षेत्र के शिवपुर निवासी फुलवा देवी 30 वर्ष के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार फुलवा देवी की पहले से दो बेटियां थी। 5 माह पहले गर्भवती होने महिला ने अपने गर्भ में पल रहे ज़्रूण का लिंग परीक्षण कराया। यह जांच तिलैया स्थित एक अल्ट्रासाउंड ज़्लीनिक में कराई गई। जांच में पता चला कि गर्भ में बच्ची है। इसके बाद महिला अपने ससुराल शिवपुर से मायके चलकुशा थाना क्षेत्र के सलैयडीह आ गई।

इसके बाद वह मायके के परिजनों के साथ गर्भपात कराने गत 9 मार्च को नेहा ज़्लीनिक पहुंची। अस्पताल के चिकित्सक व संचालन डॉ अफ्ताब अंसारी ने यह गर्भपात कराया। सर्जरी के बाद खून का निकलना नहीं रूका। महिला की स्थिति धीरे.धीरे गंभीर होती चली गई। इसके बाद ज़्लीनिक संचालक ने महिला को रेफर कर दिया। शुक्रवार की सुबह परिजन महिला को लेकर आनन.फानन में सदर अस्पताल पहुंचे। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मायके वालों का कहना है कि ससुराल वालों के दबाव में महिला गर्भपात कराने को मजबूर हुई लेकिन वह यह दावा कैमरे के सामने करने के लिए तैयार नहीं हो रहे। दरअसल इस मामले में मायके वाले लोगों की भूमिका भी संदिग्ध है लिहाजा कोई कुछ नहीं बता रहा। इस बीच पता चला है कि जिस ज़्लीनिक में महिला की सर्जरी हुई। उसे बंद करने का आदेश जिला प्रशासन ने 19 माह पहले दिया था। ज़्लीनिक को सील कर दिया गया था लेकिन संचालक सबकी आंखों में धूल झोंक कर इसका संचालन कर रहा था।

बोकारो में बैठकर अमेरिका की महिला से कर रहा था ठगी, ऐसे चढ़ा पुलिस के हत्थे

रांची १८/१२ (संवाददाता): साइबर अपराध थाने की पुलिस ने अमेरिका में रह रही एक एनआरआइ महिला से 43 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में बोकारो से एक अपराधी को गिरज़्तार कर लिया है।

गिरज़्तार अपराधी 20 वर्षीय राहुल कुमार हैए जो गिरिडीह जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के रनियाटांड़ का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइलए दो सिमकार्डए एक पैनकार्ड व दो एटीएम कार्ड बरामद किया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर आइसीआइसीआइ बैंक ने 19 अप्रैल को आइटी एज़्ट में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप है कि पीड़िता ने अपने डिमेट खाता से संबंधित सहायता के लिए आइसीआइसीआइ कॉल सेंटर नंबर 18601231122 पर कॉल किया था। जब कॉल नहीं लगा तो उनके माध्यम से टॉल फ्री नंबर में प्लस 91 जोड़कर 8601231122 पर कॉल किया था। इसके बाद साइबर अपराधियों ने अलग.अलग फर्जी नंबर से पीड़िता को फोन किया और सहायता के नाम पर पीड़िता के माध्यम से रिमोट कनेज़्शन एप्लिकेशन एनी डेस्क इंस्टॉल करवा कर फोन का एज़्सेस ले लिया। इसके साथ ही कस्टमर सर्विस डॉट एप नामक मेलिसियस एप्लिकेशन भी इंस्टॉल करवाकर कुल 43 लाख रुपये की साइबर ठगी कर ली थी।साइबर अपराध थाने की पुलिस ने पूरे मामले की छानबीन की तो गिरिडीह निवासी एक अपराधी को बोकारो से गिरज़्तार किया। गिरज़्तार अपराधी राहुल कुमार के पास से कांड से संबंधित सामान बरामद किए गए हैं।

नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के अनुसारए गिरज़्तार अभियुक्त के माध्यम से उपयोग किए जाने वाले आइसीआइसीआइ खाता संज़्या 331501504121 के विरुद्ध महाराष्ट्र व कर्नाटक राज्य में भी शिकायतें दर्ज हैं।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

राउरकेला, शुक्रवार 19 दिसंबर 2025

जाजपुर में दो राजनीतिक नेताओं के समर्थकों के बीच झड़प में 15 लोग घायल हो गए

जाजपुर १८/१२ (संवाददाता): पुलिस ने बताया कि ओडिशा के जाजपुर जिले में एक निर्दलीय विधायक और बीजदनेता के समर्थकों के बीच हुई झड़प में कम से कम 15 लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने बताया कि जिले में जेनापुर पुलिस स्टेशन के तहत पंतूरी के पास बीजद नेता और पूर्व धर्मशाला विधायक प्रणब कुमार बलबंतराय के फार्महाउस में हुई झड़प में बाइक और कारों सहित कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। उन्होंने बताया कि घायलों को धर्मशाला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, और बाद में, उनमें से पांच को कटक के स्ष्टक्क मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में शिफ़्ट कर दिया गया।बलबंतराय के समर्थक बताए जा रहे 30 से ज़्यादा बीजद कार्यकर्ता, जिनमें कुछ महिलाएं भी शामिल थीं, फार्महाउस में दावत कर रहे थे। बलबंतराय ने आरोप लगाया कि धर्मशाला के निर्दलीय विधायक हिमांशु शेखर साहू के लगभग 50 समर्थक जानलेवा हथियारों के साथ फार्महाउस में घुस गए और बिना किसी उकसावे के क्क्ष्ठ कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया, जिससे 15 लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने फार्महाउस में खड़ी चार कारों सहित 20 से ज़्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ की।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। हमले को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए, बलबंतराय ने कहा कि यह लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक दुश्मनी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि यह पहला मामला नहीं है, और पिछले विधानसभा चुनावों और धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र में चुनाव के बाद भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं। 2024 के विधानसभा चुनावों में, बलबंतराय धर्मशाला निर्वाचन क्षेत्र में साहू से हार गए थे।

बीजद नेता ने कहा, हमने इस घटना के संबंध में स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। हमें जाजपुर पुलिस पर भरोसा नहीं है। हम इस मामले को पुलिस महानिदेशक के पास ले जाएंगे। इस बीच, कई बीजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भुवनेश्वर में ष्ठत्नक्क के कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया, और हमले में शामिल लोगों की गिरफ़्तारी की मांग की। दूसरी ओर, साहू के एक समर्थक ने आरोप लगाया कि जब वह अपनी कार से उस रास्ते से गुज़र रहा था, तो बलबंतराय के समर्थकों ने उस पर हमला किया।जेनापुर पुलिस ने बताया कि इस घटना के संबंध में दोनों पक्षों द्वारा दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गई हैं। जेनापुर पुलिस स्टेशन की इंचार्ज इंस्पेक्टर निरुपमा जेना ने कहा, हमने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी को गिरफ़्तार नहीं किया गया है। इस साल अप्रैल में, मौजूदा धर्मसाला विधायक हिमांशु शेखर साहू के कुछ समर्थकों ने कथित तौर पर बालाबांतराय पर हमला किया था और उनकी कार में तोड़फोड़ की थी। लेकिन हमले के बाद बालाबांतराय बाल-बाल बच गए थे।

आरएसपी द्वारा इंदिरा गांधी पार्क चिड़ियाघर के वन्य जीवों के सुरक्षा हेतु शीतकालीन देखभाल पहल सक्रियता से लागू

राउरकेला १८/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने पूरे क्षेत्र में तापमान में गिरावट के साथ, इंदिरा गांधी पार्क चिड़ियाघर में रखे गए वन्य जीवों के लिए सर्दियों की देखभाल की व्यवस्था को सक्रिय रूप से मज़बूत किया है। चिड़ियाघर का प्रबंधन करने वाला आरएसपी का उद्यान- कृषि विभाग सभी 18 प्रजातियों के लगभग 200 जानवरों, पक्षियों और सरीसृपों के लिए ठंड के मौसम में सुरक्षित, तनाव-मुज़्त और आरामदायक वातावरण सुनिश्चित करने हेतु व्यापक उपाय लागू कर रहा है।

विभिन्न प्रजातियों की भिन्न तापीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने अलग-अलग बाड़ों में अनुकूलित व्यवस्थाएँ की हैं। भालू, मकाउ, मोर और तेंदुए के बाड़ों में गर्म हवा देने वाले रूम हीटर लगाए गए हैं ताकि इन संवेदनशील जीवों के लिए उपयुज़्त तापमान बना रहे। जिन प्रजातियों को प्राकृतिक रूप से इंसुलेटेड विश्राम क्षेत्र की आवश्यकता होती है, जैसे कि अजगर और एमू, उनके बाड़ों में गर्मी बनाए रखने के लिए सूखे पुआल की बिछावन की व्यवस्था की गई है।

प्राइमेट और सरीसृप गृहों में ताप प्रदान करने वाली इन्कैंडेसेंट बल्ब की व्यवस्था की गई है, जो छोटे स्तनधारियों और शीत-रज़्तीय प्रजातियों के लिए हल्की और स्थिर गर्माहट उपलज़्ध कराती है। नाज़ुक हिरण शावकों को ठंडी हवाओं से बचाने के लिए उनके बाड़ों में जूट के बोरे का इस्तेमाल किया गया है।

मुज़्य महाप्रबंधक (नगर अभियांत्रिकी एवं बागवानी) तथा महाप्रबंधक (बागवानी एवं प्रभारी जेडडीपी) के कुशल नेतृत्व में उद्यान-कृषि विभाग ने मौसमी प्रभाव के गंभीरता को भाँपते हुए तेज़, प्रजाति-विशेष कदम उठाकर सर्दियों में चिड़ियाघर के विविध वन्यजीवों के लिए बेहतर, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है, ताकि कड़ाके के ठंड से सभी को बचाया जा सके.

बरहामपुर में बढ़ते आवारा कुज़ों के खतरे को लेकर निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया

बरहामपुर १८/१२ (संवाददाता): बरहामपुर के गोसानिनुआगांव के निवासियों ने रविवार को आवारा कुज़ों के बढ़ते खतरे को रोकने में अधिकारियों की कथित लापरवाही के खिलाफ मुज़्य सड़क को जाम करके विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन रविवार को हुई एक नई घटना के बाद हुआ, जिसमें इलाके में एक बुजुर्ग महिला सहित पांच लोगों को आवारा कुज़ों ने काट लिया। गुस्साए निवासियों ने टायर जलाकर सड़क जाम कर दी, जिससे कई घंटों तक ट्रैफिक रुका रहा।

स्थानीय पार्षद धीरेश सबत ने कहा, लगभग हर दिन पैदल चलने वाले लोग आवारा कुज़ों के हमलों का शिकार हो रहे हैं। अकेले इस हज़्ते में ही 20 से ज़्यादा लोग आवारा कुज़ों के हमलों में घायल हुए हैं। बाद में प्रदर्शनकारियों ने बरहामपुर नगर निगम को एक ज्ञापन सौंपा, जिसके बाद अधिकारियों द्वारा उचित कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने पर ट्रैफिक फिर से शुरू हो गया। बरहामपुर में पिछले कुछ महीनों में आवारा कुज़ों का खतरा बढ़ गया है, जिससे लगातार घटनाएं हो रही हैं। निवासियों ने आवारा कुज़ों की आबादी में अनियंत्रित वृद्धि के लिए एनिमल बर्थ कंट्रोल कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने में विफलता को जिज़्मेदार ठहराया है। हालांकि क्क्षरूष्ट ने दावा किया है कि क्क्ष्ट कार्यक्रम फिर से शुरू किया जाएगा, लेकिन यह अभी तक शुरू नहीं हुआ है।शहर भर में रोजाना जानवरों के काटने के मामले सामने आने के बावजूद, अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में गुस्सा है। हालांकि, क्क्षरूष्ट अधिकारियों ने कहा कि शहर में आवारा कुज़ों की नसबंदी की जिज़्मेदारी एक ओपन टेंडर के ज़रिए बेंगलुरु स्थित एक संगठन आश्रा को दी गई है। हालांकि, टेंडर फाइनल होने के दो महीने बाद भी नसबंदी की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है, जिसके परिणामस्वरूप आवारा कुज़ों की संज़्या और काटने के मामलों में और वृद्धि हुई है।

सूत्रों के अनुसार, देरी नसबंदी के बाद कुज़ों को रखने के लिए ज़रूरी केनेल के निर्माण के कारण हुई। जबकि पहले जिला पशु चिकित्सालय परिसर में 20 केनेल थे, अब 80 अतिरिक्त केनेल बनाए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि संबंधित संगठन को बातचीत के लिए बुलाया गया है, जिसके बाद आवारा कुज़ों की टैगिंग और नसबंदी शुरू की जाएगी। शर्तों के अनुसार, संगठन दवा, भोजन, नसबंदी और पूरी प्रक्रिया के लिए प्रति कुज़े 2,000 रुपये खर्च करेगा, जिसमें कुज़े को पकड़ने से लेकर उसे उसी स्थान पर वापस छोड़ने तक सब शामिल है। BMC ने आवारा कुज़ों की नसबंदी, खिलाने और दवा देने की निगरानी के लिए एक डॉज़्टर, एक अटेंडेंट और एक पशुधन निरीक्षक की नियुक्ति की भी व्यवस्था की है।

मयूरभंज में खनन माफिया ने वन अधिकारी पर हमला किया

मयूरभंज १८/१२ (संवाददाता): मयूरभंज जिले के उदला इलाके में वन विभाग के एक अधिकारी पर कथित तौर पर पत्थर तस्करी करने वाले ग्रुप के सदस्यों ने बेरहमी से हमला किया।

ये लोग अवैध ट्रांसपोर्टेशन में शामिल एक गाड़ी को जज़्त किए जाने से नाराज़ थे। पीड़ित, पारा फॉरेस्टर अनंत नारायण चौधरी, जो उदला फॉरेस्ट रेंज ऑफिस में तैनात हैं, पर उदला-बारीपदा स्टेट हाईवे पर एक पेट्रोल पंप के पास हमला किया गया, जब वह सड़क पर यात्रा कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार, तीन हमलावरों ने उन्हें रोका, गालियां दीं और उन पर हिंसक हमला किया, जिससे उन्हें काफी खून बहने लगा। माना जा रहा है कि यह हमला 15 अज़्टूबर को अवैध रूप से निकाले गए पत्थर ले जा रहे एक वाहन को जज़्त करने के बदले में किया गया है। तब से, कथित तौर पर पत्थर माफिया के सदस्य चौधरी को धमकियां दे रहे थे। चौधरी को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत उदला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज हुआ। घटना के बाद, चौधरी ने उदला पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है।

एक महिला ने कथित मानव बलि के प्रयास में अपनी नाबालिग बेटी को मारने की कोशिश की

जयपुर १८/१२ (संवाददाता): मानव बलि के एक संदिग्ध मामले में, ओडिशा के जयपुर शहर में आज एक महिला ने कथित तौर पर अपनी 13 साल की बेटी को मारने की कोशिश की। पुलिस ने नाबालिग लड़की को बचाया और घटना की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधवा महिला, जिसकी पहचान अंबिका खोसला के रूप में हुई है, पिछले कई दिनों से कथित तौर पर जादू-टोना कर रही थी। हालांकि, उसकी बेटी ईसाई धर्म मानती थी और चर्च जाती थी। खोसला ने कथित तौर पर आज ओडिशा के कोरापुट जिले के जयपुर में अपने इरिगेशन कॉलोनी वाले घर में अपनी बेटी का सिर काटकर बलि देने की कोशिश की। हालांकि, पीड़िता की चीखें सुनकर कुछ स्थानीय लोगों को घटना के बारे में पता चला और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके से तलवार और पूजा का सामान मिला पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू करने से पहले नाबालिग लड़की को बचाया। बताया जा रहा है कि उन्हें मौके से एक तलवार और कुछ पूजा का सामान मिला। हालांकि, कुछ अन्य स्थानीय निवासियों ने दावा किया कि महिला कुछ मानसिक बीमारियों से पीड़ित है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने उसके कुछ असामान्य व्यवहार को देखा था। एक अन्य स्थानीय व्यक्ति ने कहा, पुलिस को घटना की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए और आरोपी महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्हें नाबालिग लड़की की सुरक्षा के लिए भी उचित कदम उठाने चाहिए।

इस्पात जनरल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सा हस्तक्षेप से 48 घंटे कोमा में रहे 32 वर्षीय गंभीर रोगी की जान बच गई

राउरकेला १८/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के इस्पात जनरल अस्पताल (आईजीएच) ने एक बार फिर अपनी उन्नत चिकित्सा क्षमता और डॉज़्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उत्कृष्ट दक्षता का परिचय देते हुए 32 वर्षीय पुरुष मरीज को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया, जो गंभीर दुर्घटना के बाद 48 घंटे से अधिक समय तक कोमा की स्थिति में था।

17 नवंबर 2025 को एक सड़क दुर्घटना का शिकार हुए इस मरीज़ को शुरू में आरजीएच में भर्ती कराया गया था और बाद में उसे वीएसएसएमसी, बुरला रेफर कर दिया गया। आखिरकार उसे 19 नवंबर 2025 को गंभीर हालत में आईजीएच लाया गया। निदानात्मक जाँच से पता चला कि उन्हें राइट फ्रंटो-टेज़्पोरो-पैरिएटल एज़्यूट सब-ड्यूरल हेमरेज हुआ है, जो मस्तिष्क रज़्तस्राव का एक गंभीर रूप है जिसके लिए तत्काल न्यूरोसर्जिकल हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। हालाँकि, उनके आने से पहले ही शल्यचिकित्सा के लिए 48 घंटे से ज़्यादा विलज़्ब हो चूका था।

अस्पताल पहुँचने पर मरीज अर्ध-कोमा अवस्था में था और तुरंत वेंटिलेटर सहारा / सहायता पर रखा गया। आईजीएच की चिकित्सा टीम ने शीघ्रता से आपातकालीन न्यूरोसर्जरी की योजना बनाकर उसे क्रियान्वित किया। सर्जरी का नेतृत्व वरिष्ठ सलाहकार (न्यूरोसर्जन), डॉ. मनोज कुमार देव ने किया, जिन्हें एनेस्थीसिया मदद अतिरिज़्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (एनेस्थी सिया), डॉ. मनोरंजन समंतराय से प्राप्त हुआ। शल्यचिकित्सा के दौरान सिस्टर गोधूली और सिस्टर अर्चना ने आवश्यक सहायता प्रदान की। शल्यचिकित्सा के बाद आईसीयू देखभाल की देखरेख अतिरिज़्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (एनेस्थीसिया), डॉ. संजुज़्ता पाणिग्रही द्वारा की गई साथ ही सिस्टर शाइनी जॉर्ज और आईसीयू नर्सिंग टीम के समर्पित सहयोग से रोगी की करीबी निगरानी और स्थिरीकरण सुनिश्चित किया गया। रोगी ने उपचार के प्रति उल्लेखनीय रूप से अच्छी प्रतिक्रिया दी, धीरे=धीरे उसे वेंटिलेटर सहारे से हटा दिया गया और बाद में उसे सामान्य वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया। वार्ड में व्यापक देखभाल सिस्टर गौरी, सिस्टर सस्मिता, सिस्टर रीमा, सिस्टर मनीषा, सिस्टर रूबी, सिस्टर सोनिया एवं अन्य सहयोगी स्टाफ द्वारा प्रदान की गई जिन्होंने मरीज के स्वास्थ्य-लाभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शल्यचिकित्सा पश्चात व्यवस्थित प्रबंधन की वजह से मरीज ने पूर्ण चेतना प्राप्त की, सामान्य रूप से बातचीत करने लगा, मूह से भोजन ग्रहण करने लगा और स्वयं चलने-फिरने में सक्षम हुआ। यह उल्लेखनीय उपलज़्धि इस्पात जनरल अस्पताल की विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाओं और उसके न्यूरोसर्जरी, एनेस्थीसिया, आईसीयु तथा नर्सिंग टीमों की विशेषज्ञता को रेखांकित करती है। जटिल परिस्थिति और उपचार में हुई देरी के बावजूद मरीज का सफल पुनर्जीवन आईजीएच की करुणामय, कुशल और प्रभावी आपातकालीन चिकित्सा सेवा प्रदान करने की अविचल प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो अब तक इस क्षेत्र का भरोसेमंद स्वास्थ्य संस्थानों में से एक बना हुआ है।